



राष्ट्रीय प्रस्तावना

गोंव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, अंबेदा, अमोटी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, सुल्तानबाद, कन्नौज, बालाबन, सीतापुर, जौनपुर, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोरख, सहायगढ़, नौगढ़ सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 6 अंक : 276

लखनऊ, गुरुवार, 20 अप्रैल, 2017

पृष्ठ : 8

मूल्य : 2.00

पुस्तक का हुआ विमोचन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

नई दिल्ली। समाज में सही दिशा देने व उसे सुदृढ़ बनाने में शिक्षकों का बहुत महत्व है, इस दायित्व को आज भी पूरे विश्व में माना जाता है। उच्च शिक्षा में शिक्षकों को आगे ले जाने के लिए आज तक कोई पाठ्यक्रमानुसार किताब का प्रकाशन नहीं हुआ है।

जब तक शिक्षक अपने विकास के लिए शिक्षा के अधिक से अधिक आयाम से नहीं जुड़ेगा, उसकी प्रगति रूक जाती है। उक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, डा० मनप्रीत मन्ना निदेशक, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए०आई०सी०ई०टी०) ने उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षकों में क्या-क्या सुधार लाये जा सकते हैं और वह अपने को वर्तमान शिक्षण- पद्धति में रचनात्मक सुधार कैसे ला सकते हैं, एक पुस्तक की रूप रेखा तैयार की तथा भारतवर्ष के विद्वत शिक्षाविदों से इसके 30 अध्याय तैयार



कराया। इस रचनात्मक पुस्तक के एक अध्याय- 19 में, डॉ० भरत राज सिंह जो स्कूल ऑफमैनेजमेण्ट साइन्सेज के महा-निदेशक हैं, अपना बहुमूल्य योगदान दिया है, जिसका शीर्षक 'नवप्रवर्तन विचार तथा इण्टरनेट ब्राउजिंग' है। एक संस्था द्वारा प्रकाशित, उक्त किताब का विमोचन, अध्यक्ष अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, प्रो० अनिल डी०, उपाध्यक्षक, प्रो० एम०पी०पुनिया, सदस्य सचिव, प्रो० ए०पी०मित्तल, कुलपति जी०एल०ए० मथुरा, प्रो० डी०एस० चौहान तथा अन्य गणमान्य शिक्षाविदों द्वारा किया गया भविष्य में यह पुस्तक शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु बहुमूल्य साबित होगी।